नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक :24.08.2018

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज जंगल धूसड़ गोरखपुर में महान क्रांतिकारी राजगुरू जयन्ती के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में व्याख्यान देते हुए वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता वागीश राज पाण्डेय ने कहा कि भारत माता के चरणों में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले युवा क्रान्तिकारीयों में राजगुरू का प्रमुख स्थान है, 22 वर्ष की युवावस्था में भगत सिंह तथा सुखदेव के साथ हसते हसते फाँसी के फन्दे को गले लगा लिए। इनका जन्म 24 अगस्त 1908 को पुणे के खेड़ा गाँव में हुआ था। मात्र 6 वर्ष की आयु में ही इनके पिता का निधन हो गया। इसके पश्चात् राजगुरू संस्कृत की शिक्षा ग्रहण करने वाराणसी आ गये यह इन्होने अल्पायु में ही लघु सिद्धांत कौमुदी जैसे क्लिष्ट ग्रंथ को कण्ठस्थ कर लिया। वाराणसी में विद्या अध्ययन करते हुए राजगुरू का सम्पर्क अनेक क्रान्तिकारियों से हुआ। राजगुरू चन्द्रशेखर आजाद से प्रभावित होकर उनकी पार्टी हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी से तत्काल जुड़ गये। आजाद के पार्टी के अन्दर इन्हे रघुनाथ के छद्म नाम से जाना जाता था जबकि इनका वास्तविक नाम शिवराम हरि राजगुरू था। राजगुरू एक अच्छे निशानेबाज भी थे। साण्डर्स बध करने में इन्होने भगत सिंह तथा सुखदेव का पूरा साथ दिया। ऐसे महान क्रान्तिकारी को महाविद्यालय परिवार हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है

इस अवसर पर डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. आर.एन.सिंह, सुश्री दीप्ती गुप्ता, डॉ. प्रज्ञेश मिश्र, डॉ. सौरभ सिंह, सिद्धार्थ कुमार शुक्ला, विजय कुमार चौधरी सहित सभी शिक्षक, विद्यार्थी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

(डॉ. राजेश शुक्ला)

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी